Weekly Current Affairs
1st – 6th August 2021
साप्ताहिक करंट अफेयर्स 1-6 अगस्त 2021

Important News: State

लखनऊ में फोरेंसिक विज्ञान संस्थान

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह** ने **लखनऊ, उत्तर प्रदेश में फोरेंसिक विज्ञान संस्थान** की आधारशिला रखी।
- फोरेंसिक विज्ञान संस्थान, जो **गृह मंत्रालय** के तहत संचालित होगा, को गुजरात स्थित **राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU)** से संबद्ध करने का प्रस्ताव है।

प्रमुख बिंदु

- फोरेंसिक विज्ञान संस्थान इस तरह के व्यवहार विज्ञान, सिविल और आपराधिक कानून, पुलिस विज्ञान, अपराध और फोरेंसिक के रूप में संभाषण में विशेषज्ञता प्रदान करेगा।
- इसमें लगभग 200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे और DNA केंद्र की स्थापना के लिए 15 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं, जो देश में सबसे आधुनिक होगा।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

पश्चिम बंगाल ने चार स्कॉच पुरस्कार प्राप्त किये

चर्चा में क्यों?

- **पश्चिम बंगाल सरकार** ने हुए ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (कारोबार में सुगमता) पहल के तहत अपनी योजनाओं के लिए **चार स्कॉच पुरस्कार** प्राप्त किये।

प्रमुख बिंदु

- **राज्य योजना** द ऑनलाइन सिंगल विंडो पोर्टल- **'शिल्प साथी'** ने **प्लेटिनम पुरस्कार** जीता।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **द ऑटो रिन्यूअल ऑफ़ सर्टिफिकेट ऑफ़ एनलिस्टमेंट थ्रू एन ऑनलाइन सिस्टम फॉर अर्बन एरियाज** ने **गोल्ड पुरस्कार** प्राप्त किया।
- **ऑनलाइन इस्सुंस ऑफ़ ट्रेड लाइसेंस इन रूलर एरियाज** और **ई-नथिकरण:** द ऑनलाइन सिस्टम फॉर रजिस्ट्रेशन, प्रिपरेशन एंड सबमिशन ऑफ़ डीड्स ने **दो सिल्वर पुरस्कार** जीते हैं।

स्कॉच पुरस्कार के बारे में:

- स्कॉच पुरस्कार, स्वतंत्र रूप से 2003 में स्थापित किया गया था, यह भारत का ईमानदार नागरिक सम्मान है जो एक स्वतंत्र संगठन द्वारा तीसरे पक्ष के मूल्यांकन के रूप में प्रदान किया जाता है।
- यह देश में एकमात्र ऐसा पुरस्कार है जो साक्ष्य के आधार पर महसूस-आवश्यकता मूल्यांकन और परिणाम मूल्यांकन पर आधारित है।
- यह लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों को प्रदान किया जाता है।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

Important News: India

फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **389 विशेष पोक्सो** (POCSO) **न्यायालयों** सहित **1023 फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालयों (FTSC)** को **केंद्र प्रायोजित योजना** के रूप में **01 अप्रैल, 2021 से 31 मार्च, 2023** तक जारी रखने की मंजूरी दी है।
- मंत्रिमंडल ने इसके लिए कुल 1572.86 करोड़ रुपये (केंद्रीय हिस्से के रूप में 971.70 करोड़ रुपये और राज्य के हिस्से के रूप में 601.16 करोड़ रुपये) की धनराशि मंजूर की है।
- केंद्रीय हिस्से की धनराशि **निर्भया फंड** से उपलब्ध करायी जाएगी।

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि:

- **फास्ट ट्रैक न्यायालयों** की सिफारिश सबसे पहले **2000 में 11वें वित्त आयोग** द्वारा की गई थी।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- केंद्र सरकार ने 5 साल की अवधि के लिए अलग-अलग राज्यों में 1,734 अतिरिक्त अदालतें बनाने के लिए 502.90 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी।
- केंद्र सरकार ने 2011 में फास्ट ट्रैक न्यायालयों के वित्तपोषण बंद कर दिए।
- 3 राज्यों - महाराष्ट्र, केरल और तमिलनाडु ने कहा था कि वे इन अदालतों को चलाना जारी रखेंगे, जबकि दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल और कर्नाटक ने कहा था कि वे उन्हें 2013 तक जारी रखेंगे।
- 2013 में, केंद्र की सरकार ने **'निर्भया फंड'** की स्थापना की, **किशोर न्याय अधिनियम** में संशोधन किया और **फास्ट-ट्रैक महिला न्यायालयों** की स्थापना की।
- इसके बाद उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू और कश्मीर आदि ने भी **बलात्कार के मामलों के लिए** फास्ट ट्रैक न्यायालय स्थापित किए।

फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय (FTSC) के लिए योजना:

- 2019 में, सरकार ने IPC के तहत लंबित बलात्कार के मामलों और POCSO अधिनियम के तहत अपराधों के शीघ्र निपटान के लिए देश भर में **1,023 FTSC** स्थापित करने की योजना को मंजूरी दी थी।

नोट:

- ऐसे मामलों में अधिक कड़े प्रावधान, त्वरित सुनवाई और मामलों के निपटान के लिए, केंद्र सरकार ने **"आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम, 2018"** लागू किया और दुष्कर्म के अपराधियों के लिए मौत की सजा सहित कड़ी सजा का प्रावधान किया।
- इससे फास्ट ट्रैक विशेष न्यायालय की स्थापना हुई।

योजना के अपेक्षित परिणाम:

- महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा
- दुष्कर्म और पॉक्सो अधिनियम के लंबित मामलों की संख्या कम करना।
- यौन अपराधों के पीड़ितों को त्वरित न्याय प्रदान करना और यौन अपराधियों के खिलाफ एक निवारक के रूप में कार्य करना।

स्रोत: PIB

SATNAV नीति -2021

चर्चा में क्यों?

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **अंतरिक्ष विभाग** की योजना उपग्रह आधारित नेविगेशन के लिए "विस्तृत और मूलभूत" राष्ट्रीय नीति **'भारतीय उपग्रह नेविगेशन नीति-2021' (SATNAV नीति-2021)** बनाने की है।
- **SATNAV नीति - 2021** का मसौदा **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO)** की आधिकारिक वेबसाइट पर प्रस्तुत किया गया है, जो सार्वजनिक परामर्श चाहता है, जिसके बाद, मसौदा अनुमोदन और प्राधिकरण के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रमुख बिंदु

भारतीय उपग्रह नेविगेशन नीति – 2021 के बारे में:

- नीति को अंतरिक्ष आधारित नेविगेशन और समय के अनुप्रयोगों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।
- इन अनुप्रयोगों में ट्रैकिंग, टेलीमैटिक्स, स्थान-आधारित सेवाएं, ऑटोमोटिव, सर्वेक्षण, मानचित्रण और GIS, और समय शामिल हैं।
- परिभाषित कवरेज क्षेत्र में विमानन सुरक्षा के लिए, मसौदा **सैटेलाइट-बेस्ड ऑग्मेंटेशन सिस्टम (SBAS)** की गारंटी और निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करता है।
- मसौदे का उद्देश्य नेविगेशन उपग्रह प्रणालियों को बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी विकास पर ध्यान केंद्रित करना और अन्य **GNSS/SBAS संकेतों** के साथ भारतीय उपग्रह नेविगेशन और वृद्धि संकेतों की अनुकूलता और अंतःक्रियाशीलता की दिशा में काम करना है।
- पिछले कुछ दशकों में, **अंतरिक्ष आधारित नेविगेशन सिस्टम** द्वारा प्रदान की जाने वाली **स्थिति, वेग और समय (PVT)** सेवाओं पर निर्भर अनुप्रयोगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम (GNSS) के बारे में:

- यह अंतरिक्ष-आधारित नेविगेशन सिस्टम का वर्णन करने वाला एक सामान्य शब्द है जो वैश्विक या क्षेत्रीय आधार पर **स्थिति, नेविगेशन और सटीक-समय (PNT)** सेवाएं प्रदान करता है।
- वर्तमान में, चार GNSS हैं – अमेरिका से **GPS**; रूस से **GLONASS**; यूरोपीय संघ से **Galileo** और चीन से **BeiDou** - वैश्विक स्तर पर PVT समाधान पेश करते हैं।
- इसके अलावा, **2 क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम** - **भारत** से **NavIC** और **जापान** से **QZSS** है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: AIR

आठवीं अनुसूची में भाषाएं

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान** ने लोकसभा में आठवीं अनुसूची में भाषाओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी है।

प्रमुख बिंदु

आठवीं अनुसूची के बारे में:

- भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में भारत गणराज्य की आधिकारिक भाषाओं को सूचीबद्ध किया गया है।
- भारतीय संविधान के **अनुच्छेद 344 (1) और 351** के अनुसार, आठवीं अनुसूची **आधिकारिक 22 भाषाओं** की मान्यता को शामिल करती है।

आधिकारिक भाषाएं:

- असमिया, बंगाली, बोडो, डोगरी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मैतेई (मणिपुरी), मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू
- इन भाषाओं में से 14 को शुरू में संविधान में शामिल किया गया था।
- इसके बाद, सिंधी को 1967 में 21वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया।
- कोंकणी, मणिपुरी (मैतेई) और नेपाली को 1992 में 71वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया।
- बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली को 2003 में 92वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ा गया था।

शास्त्रीय भाषाएं:

- वर्तमान में, **6 शास्त्रीय भाषाएँ**: **तमिल** (2004 में घोषित), **संस्कृत** (2005), **कन्नड़** (2008), **तेलुगु** (2008), **मलयालम** (2013), और **ओडिया** (2014)

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- समृद्ध विरासत और स्वतंत्र प्रकृति वाली भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया जाता है।

नोट:

- **सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन लैंग्वेजेज (CIIL), मैसूर** अनुसूचित / गैर-अनुसूचित और शास्त्रीय भाषाओं सहित सभी भारतीय भाषाओं के प्रचार के लिए काम करता है।
- CIIL अपनी विभिन्न योजनाओं जैसे **राष्ट्रीय अनुवाद मिशन, भारतीय भाषाओं के भाषाई डेटा कंसोर्टियम, भारतवाणी,** आदि के माध्यम से भाषाओं के विकास के लिए काम करता है।

स्रोत: PIB

भारत और बांग्लादेश के बीच हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेलवे लिंक

चर्चा में क्यों?

- भारत और बांग्लादेश के बीच **हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेलवे लिंक** पर वाणिज्यिक सेवाएं, जो 50 वर्षों से अधिक समय से बंद थी, एक मालगाड़ी के साथ शुरू हुई।
- **हल्दीबाड़ी (भारत)-चिलाहाटी (बांग्लादेश) रेल लिंक** को 17 दिसंबर, 2020 को दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों द्वारा यात्रियों एवं माल की आवाजाही के लिए फिर से खोल दिया गया था।

प्रमुख बिंदु

पृष्ठभूमि:

- हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी रेल लिंक 1965 तक खुला हुआ था।
- 1965 के (भारत-पाक) युद्ध ने भारत और बांग्लादेश (तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान) के बीच सभी रेल संपर्कों को प्रभावी तरीके से बंद कर दिया।
- अभी तक भारत और बांग्लादेश को जोड़ने वाले पांच लिंक पर संचालन शुरू किया गया है। इनमें पेट्रापोल (भारत)-बेनापोल (बांग्लादेश), सिंहबाद (भारत) - रोहनपुर (बांग्लादेश), गेडे (भारत) - दर्शन (बांग्लादेश), राधिकापुर (भारत) -बिरोल (बांग्लादेश) शामिल हैं। वहीं हल्दीबाड़ी-चिलाहाटी ऐसा पांचवां रेल लिंक है।

महत्व:

- रेल लिंक व्यापार और आर्थिक विकास के विकास में सहायता करेगा।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- 75 किलोमीटर लंबा ट्रैक **सिलीगुड़ी कॉरिडोर** जिसे **'चिकन नेक'** भी कहा जाता है, के साथ देश के बाकी हिस्सों को बेहतर ढंग से एकीकृत करने में मदद करेगा ।

नोट:

- भारतीय प्रधानमंत्री की 27 मार्च 2021 को बांग्लादेश के ढाका की यात्रा के दौरान दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त रूप से एक यात्री ट्रेन सेवा **मिताली एक्सप्रेस (न्यू जलपाईगुड़ी-ढाका)** की घोषणा की थी।
- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 मार्च 2021 को भारत और बांग्लादेश के बीच **'मैत्री सेतु'** (1.9 किलोमीटर लंबा पुल) का उद्घाटन किया । इसे **फेनी नदी** पर बनाया गया है जो त्रिपुरा राज्य और बांग्लादेश में भारतीय सीमा के बीच बहती है।
- अगरतला और बांग्लादेश में अखौरा के बीच एक और रेलवे लाइन 2021 के अंत तक पूरी हो जाएगी।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

UG और PG मेडिकल/ डेंटल कोर्स के लिए अखिल भारतीय कोटा योजना में OBC को 27 प्रतिशत और EWS को 10 प्रतिशत आरक्षण

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय** ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से स्नातक और स्नातकोत्तर मेडिकल/डेंटल कोर्स के लिए **अखिल भारतीय कोटा योजना** में **OBC (अन्य पिछड़ा वर्ग) के लिए 27 प्रतिशत** और **EWS (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण** की घोषणा की है।

प्रमुख बिंदु

अखिल भारतीय कोटा (AIQ) योजना के बारे में:

- सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के तहत, किसी राज्य में स्थित मेडिकल कॉलेज में अध्ययन के इच्छुक किसी भी राज्य के विद्यार्थियों को **निवास स्थान की शर्त से मुक्त योग्यता आधारित अवसर** उपलब्ध कराने के लिए 1986 में AIQ योजना पेश की गई थी।
- इसमें सरकारी मेडिकल कॉलेजों में UG सीटों का 15% और PG सीटों का 50% शामिल है।
- प्रारंभ में, 2007 तक AIQ में कोई आरक्षण नहीं था। 2007 में, सुप्रीम कोर्ट ने AIQ योजना में SC के लिए 15% और ST के लिए 7.5% आरक्षण की शुरुआत की।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- पहले, 2007 तक AIQ योजना में कोई आरक्षण नहीं होता था। 2007 में, सर्वोच्च न्यायालय ने AIQ योजना में SC के लिए 15 प्रतिशत और ST के लिए 7.5 प्रतिशत आरक्षण पेश किया था।
- जब OBC को एक समान 27 प्रतिशत आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए 2007 में **केंद्रीय शैक्षणिक संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम** प्रभावी हुआ, तो उसे केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया।
- हालांकि इसे राज्य मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में AIQ सीटों पर लागू नहीं किया गया था।
- संविधान (एक सौ तीनवां संशोधन) अधिनियम, 2019 के तहत 10% EWS कोटा भी केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया गया है, लेकिन राज्य संस्थानों के लिए **राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET)** AIQ में नहीं।

लाभ:

- देश भर के OBC विद्यार्थी अब किसी भी राज्य में सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए AIQ योजना में आरक्षण का लाभ लेने में सक्षम हो जाएंगे।
- एक केंद्रीय योजना होने के कारण, इस आरक्षण के लिए OBC की केंद्रीय सूची का इस्तेमाल किया जाएगा। इस आरक्षण से MBBS में 1500 और स्नातकोत्तर में 2500 OBC विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा (NEET) के बारे में:

- NEET देश में सभी स्नातक (NEET-UG) और स्नातकोत्तर (NEET-PG) चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा है।

स्रोत: द हिंदू

सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं का सामाजिक लेखापरीक्षा

चर्चा में क्यों?

- **सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय** ने वित्त वर्ष 2021-22 में **सूचना-निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक लेखापरीक्षा** (I-MESA) योजना तैयार की है।

प्रमुख बिंदु

सूचना-निगरानी, मूल्यांकन और सामाजिक लेखापरीक्षा (I-MESA) के बारे में:

- इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2021-22 से विभाग की सभी योजनाओं का सामाजिक लेखापरीक्षा किया जाना है।
- यह सामाजिक लेखापरीक्षा राज्यों की **सामाजिक लेखापरीक्षा इकाइयों (SAU)** और राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज संस्थान के माध्यम से की जाती है।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

सामाजिक लेखापरीक्षा के बारे में:

- यह सरकार और लोगों द्वारा संयुक्त रूप से एक योजना का लेखापरीक्षा है, खासकर उन लोगों द्वारा जो इस योजना या इसके लाभार्थियों से प्रभावित हैं।
- सामाजिक लेखापरीक्षा का उद्देश्य जवाबदेही, पारदर्शिता और उनके लिए बनाई गई योजनाओं में लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देना है।

नोट:

- **महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)** ग्राम पंचायत में शुरू की गई सभी परियोजनाओं की ग्राम सभा द्वारा सामाजिक लेखापरीक्षा को अनिवार्य करने वाला पहला अधिनियम था।
- अधिकांश भारतीय राज्यों ने एक स्वतंत्र **सामाजिक लेखापरीक्षा इकाई** की स्थापना की है और कुछ ने प्रधानमंत्री आवास योजना, मध्याह्न भोजन योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली सहित अन्य कार्यक्रमों में सामाजिक लेखापरीक्षा की सुविधा शुरू कर दी है।

स्रोत: PIB

इंटेल ने CBSE के साथ साझेदारी में 'AI फॉर आल' पहल की शुरूआत की

चर्चा में क्यों?

- **चिपमेकर इंटेल** ने **'AI फॉर आल' पहल** शुरू करने के लिए **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** के साथ सहयोग किया है।

प्रमुख बिंदु

'AI फॉर आल' पहल के बारे में:

- **इंटेल के AI फॉर सिटिजन्स प्रोग्राम** पर आधारित, 'AI फॉर आल' एक 4 घंटे का, स्व-गतिशील शिक्षण कार्यक्रम है।
- इसका उद्देश्य भारत में लोगों के लिए **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)** की बुनियादी समझ बनाना है।
- कार्यक्रम का लक्ष्य AI को अपने पहले वर्ष में दस लाख नागरिकों से परिचित कराना है।
- AI में तेजी से आर्थिक विकास को गति देने, जनसंख्या-पैमाने की चुनौतियों का समाधान करने और लोगों के जीवन और आजीविका को लाभ पहुंचाने की शक्ति है।

नोट:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 AI के महत्व को स्वीकार करती है और सभी को AI संचालित अर्थव्यवस्था के लिए तैयार करने पर जोर देती है।
- AI फॉर आल दुनिया भर में सबसे बड़े AI जन जागरूकता कार्यक्रमों में से एक है और उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए एक समावेशी तरीके से AI को उजागर करने में मदद करेगा।

स्रोत: द हिंदू

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पहली वर्षगांठ और शिक्षा क्षेत्र में नई पहलें

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने **'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020'** के तहत सुधारों का एक वर्ष पूरा होने के अवसर पर शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र से जुड़े नीति निर्माताओं, देश भर के विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया।
- उन्होंने **शिक्षा क्षेत्र में कई नई पहलों** का शुभारंभ भी किया।
- प्रधानमंत्री ने महामारी की वजह से आए बदलावों को रेखांकित करते हुए कहा कि छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षण ही अब सामान्य शिक्षण का रूप ले चुका है। **दीक्षा** एवं **स्वयं** जैसे पोर्टल पर 2300 करोड़ से ज्यादा हिट्स इस तथ्य के स्पष्ट प्रमाण है।

प्रमुख बिंदु

एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट:

- यह उच्च शिक्षा में छात्रों के लिए कई एंट्री और एग्ज़िट जैसे विकल्प प्रदान करेगा।

क्षेत्रीय भाषाओं में इंजीनियरिंग कार्यक्रम:

- 8 राज्यों के 14 इंजीनियरिंग कॉलेज 5 भारतीय भाषाओं हिंदी, तमिल, तेलुगु, मराठी और बांग्ला में शिक्षा देना शुरू कर रहे हैं।
- इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों का 11 भाषाओं में अनुवाद करने के लिए एक उपकरण विकसित किया गया है।
- शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा पर जोर देने से गरीब, ग्रामीण और आदिवासी पृष्ठभूमि के छात्रों में आत्मविश्वास पैदा होगा।

विद्या प्रवेश:

- विद्या प्रवेश ग्रेड 1 के छात्रों के लिए 3 महीने का प्ले आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल है।

भारतीय सांकेतिक भाषा:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- भारतीय सांकेतिक भाषा को पहली बार भाषा विषय का दर्जा दिया गया है। छात्र इसे एक भाषा के रूप में भी पढ़ सकेंगे।
- 3 लाख से अधिक छात्र ऐसे हैं जिन्हें अपनी शिक्षा के लिए सांकेतिक भाषा की आवश्यकता है।
- इससे भारतीय सांकेतिक भाषा को बढ़ावा मिलेगा और दिव्यांगों को मदद मिलेगी।

निष्ठा 2.0:

- यह **NCERT** द्वारा डिजाइन किए गए शिक्षक प्रशिक्षण का एक एकीकृत कार्यक्रम है।
- इससे शिक्षकों को उनकी जरूरत के मुताबिक प्रशिक्षण मिलेगा और वे विभाग को अपने सुझाव दे सकेंगे।

'सफल' (सीखने की प्रक्रिया का सुव्यवस्थित तरीके से विश्लेषण और आंकलन):

- यह CBSE स्कूल के ग्रेड-3, ग्रेड-5 और ग्रेड-8 के बच्चों के लिए योग्यता आधारित मूल्यांकन का फ्रेमवर्क है।

राष्ट्रीय डिजिटल शिक्षण संरचना (NDEAR) और राष्ट्रीय शिक्षा प्रौद्योगिकी फोरम (NETF):

- NDEAR और NETF पूरे देश को एक डिजिटल और तकनीकी ढांचा प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) कार्यक्रम:

- यह छात्रों को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार करेगा और AI आधारित अर्थव्यवस्था के लिए मार्ग प्रशस्त करेगा।

पिछली पहलें:

- प्रधानमंत्री अनुसंधान फैलोशिप
- प्रौद्योगिकी वर्धित शिक्षा पर राष्ट्रीय कार्यक्रम
- रूसा (राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान)
- SPARC (शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग के संवर्द्धन के लिये योजना)
- प्रज्ञाता
- मध्याह्न भोजन योजना
- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ
- सर्व शिक्षा अभियान
- शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

Important News: World

भारत ने अगस्त 2021 के लिये UNSC की अध्यक्षता ग्रहण की

चर्चा में क्यों?

- भारत ने अगस्त 2021 के महीने के लिये **UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) की अध्यक्षता** ग्रहण की।
- **सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में वर्ष 2021-22** के कार्यकाल के दौरान यह **भारत की पहली अध्यक्षता** होगी।
- भारत ने जनवरी 2021 में UNSC के एक अस्थायी सदस्य के रूप में अपना दो वर्ष का कार्यकाल शुरू किया।
- UNSC के एक अस्थायी सदस्य के रूप में यह भारत का आठवाँ कार्यकाल है।

प्रमुख बिंदु

भारत द्वारा UNSC की अध्यक्षता के बारे में:

- भारत समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोधी और शांति स्थापना के तीन प्रमुख क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए तैयार है।
- भारत महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र का एजेंडा तय करेगा और कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण बैठकों का समन्वय करेगा।
- UNSC के एजेंडा में सोमालिया, यमन, सीरिया, इराक और मध्य पूर्व सहित कई महत्वपूर्ण बैठकें होंगी।
- **प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी** UNSC की बैठक की अध्यक्षता करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे।
- पिछली बार जब कोई भारतीय प्रधानमंत्री इस प्रयास में लगे थे तो 1992 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव थे, जब उन्होंने UNSC की बैठक में भाग लिया था।

UNSC (संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद) के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 24 अक्टूबर 1945
- **सदस्यता:** 15 देश
- **स्थायी सदस्य:** 5 (संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और यूनाइटेड किंगडम)
- **अस्थाई सदस्य:** भारत सहित 10

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

रूस का नौका मॉड्यूल

चर्चा में क्यों?

- रूस का बिना क्रू **नौका प्रयोगशाला मॉड्यूल** अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) में लांच किया गया।
- नौका मॉड्यूल को कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से एक प्रोटॉन रॉकेट का उपयोग करके लॉन्च किया गया था।

प्रमुख बिंदु

रूस के नए नौका मॉड्यूल के बारे में:

- नौका का अर्थ रूसी में "विज्ञान" है। यह सबसे बड़ी अंतरिक्ष प्रयोगशाला है।
- रूस ने पर्स को ISS से अलग किया। इसके स्थान पर, रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रॉसकॉसमॉस ने काफी बड़ा मॉड्यूल नौका संलग्न किया, जो अंतरिक्ष स्टेशन पर देश की मुख्य अनुसंधान सुविधा के रूप में काम करेगा।

महत्व:

- यह भविष्य के संचालन के लिए एक नई विज्ञान सुविधा, डॉकिंग पोर्ट और स्पेसवॉक एयरलॉक के रूप में काम करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) के बारे में:

- ISS पृथ्वी की निचली कक्षा में एक मॉड्यूलर स्पेस स्टेशन (रहने योग्य कृत्रिम उपग्रह) है।
- यह एक बहुराष्ट्रीय सहयोगी परियोजना है जिसमें पांच प्रतिभागी अंतरिक्ष एजेंसियां शामिल हैं: NASA (संयुक्त राज्य अमेरिका), JAXA (जापान), रॉसकॉसमॉस (रूस), ESA (यूरोप) और CSA (कनाडा)।

नोट: हाल ही में, चीन ने अपने स्थायी अंतरिक्ष स्टेशन का एक मानव रहित मॉड्यूल 'तियानहे' लॉन्च किया है जिसे 2022 के अंत तक पूरा करने की उसकी योजना है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Important News: Health

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) का 112वां वार्षिक दिवस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में **केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडाविया** ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) के 112वें वार्षिक दिवस समारोह की अध्यक्षता की।

प्रमुख बिंदु

पहलों की शुरुआत

जीनोम लैब:

- इस कार्यक्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) व BSL 3 प्रयोगशाला के लिए संपूर्ण जीनोम सिक्वेंसिंग नेशनल रिफरेंस लेबोरेटरी का उद्घाटन किया।

सूचना, शिक्षा और संचार (IEC) सामग्री:

- NCDC में जूनोटिक रोग कार्यक्रम के प्रभाग ने **"जूनोस की रोकथाम व नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय एक स्वास्थ्य कार्यक्रम"** के तहत 7 प्राथमिकता वाले जूनोटिक बीमारियों पर IEC सामग्री (प्रिंट, ऑडियो और वीडियो) तैयार की है। भारत में इन बीमारियों में रेबीज, स्क्रब टाइफस, एंथ्रेक्स, CCHF, ब्रुसेलोसिस, निपाह और क्यासानूर फॉरेस्ट डिजीज हैं।

"जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य पर राष्ट्रीय कार्यक्रम" के तहत अनुकूलन योजना:

- मंत्री ने **वायु प्रदूषण पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना** और **गर्मी पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुकूलन योजना** की भी शुरुआत की।

राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (NCDC) के बारे में:

- राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (जिसे पहले **राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान** के रूप में जाना जाता था) **भारतीय स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय** के अधीन एक संस्थान है।

इतिहास:

- NCDC की उत्पत्ति का पता सेंट्रल मलेरिया ब्यूरो से लगाया जा सकता है, जिसकी स्थापना 1909 में भारत के हिमाचल प्रदेश के कसौली में की गई थी।
- 1938 में इसका नाम बदलकर मलेरिया इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया कर दिया गया और 1963 में इसका नाम बदलकर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेबल डिजीज कर दिया गया।
- 30 जुलाई 2009 को इसे **NCDC** नाम दिया गया।

स्रोत: PIB

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

COVID-19 से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए 'अश्वगंधा'

चर्चा में क्यों?

- **भारत और यूके COVID-19 से रिकवरी को बढ़ावा देने के लिए 'अश्वगंधा'** का क्लिनिकल परीक्षण करेंगे।
- **अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान** (AIIA), **आयुष मंत्रालय** के अधीन एक स्वायत्त निकाय और **ब्रिटेन के लन्दन स्कूल ऑफ़ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (LSHTM)** ने हाल ही में अश्वगंधा के नैदानिक परीक्षणों का संचालन करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

अश्वगंधा के बारे में:

- **अश्वगंधा (विथानिया सोम्निफेरा),** जिसे आमतौर पर 'इंडियन विंटर चेरी' के नाम से जाना जाता है, एक पारंपरिक भारतीय जड़ी बूटी है जो ऊर्जा को बढ़ाती है, तनाव को कम करती है और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती है।
- परीक्षण का सफल समापन एक बड़ी सफलता हो सकती है और भारत की पारंपरिक औषधीय प्रणाली को वैज्ञानिक वैधता प्रदान कर सकती है।
- इसके औषधीय और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभावों पर पर्याप्त साहित्य के साथ, अध्ययन से पता चलता है कि 'अश्वगंधा' COVID-19 के दीर्घकालिक लक्षणों को कम करने के लिए एक संभावित चिकित्सीय उम्मीदवार के रूप में है।

स्रोत: द हिंदू

बायोटेक-प्राइड (PRIDE) (डेटा आदान-प्रदान के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन)

चर्चा में क्यों?

- **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT)** ने "**बायोटेक-प्राइड** (डेटा आदान-प्रदान के माध्यम से अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन) दिशानिर्देश" जारी किया है और **भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC)** की एक वेबसाइट लॉन्च की है।

प्रमुख बिंदु

बायोटेक-प्राइड के बारे में:

आवश्यकता:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- 135 करोड़ से अधिक की बड़ी आबादी और देश की विविधस्थितियों को देखते हुए, भारत को भारतीय अनुसंधान और समाधान के लिए अपने स्वयं के विशिष्ट डेटाबेस की आवश्यकता है।
- स्वदेशी डेटाबेस में भारतीय नागरिकों के लाभ के लिए युवा वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं द्वारा डेटा के आदान-प्रदान और इसके अंगीकरण के लिए एक विशाल सक्षम तंत्र होगा।
- DNA अनुक्रमण और अन्य उच्च-प्रवाह क्षमता प्रौद्योगिकियों में प्रगति के साथ-साथ DNA अनुक्रमण लागत में आई महत्वपूर्ण कमी ने सरकारी एजेंसियों को जैव-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में जैविक डेटा के सृजन की दिशा में अनुसंधान को वित्त पोषित करने में सक्षम बनाया है।
- यह कृषि, पशुपालन, मौलिक अनुसंधान पर मानव स्वास्थ्य में योगदान देगा और इस प्रकार सामाजिक लाभों तक विस्तारित होगा।

दिशानिर्देश:

- प्रारंभ में इन दिशानिर्देशों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समर्थित क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र में **भारतीय जैविक डेटा केंद्र (IBDC)** के माध्यम से लागू किया जाएगा।
- अन्य मौजूदा डेटासेट/डेटा केंद्रों को इस IBDC से जोड़ा जाएगा जिसे **बायो-ग्रिड** कहा जाएगा।
- यह बायो-ग्रिड जैविक ज्ञान, सूचना और डेटा के लिए एक राष्ट्रीय भंडार होगा और इसपर आदान-प्रदान को सक्षम करने, डेटासेट के लिए सुरक्षा, मानकों और गुणवत्ता के उपायों को विकसित करने और डेटा तक पहुंचने के लिए विस्तृत तौर-तरीके स्थापित करने का दायित्व होगा।

नोट: भारत जैविक डेटाबेस में योगदान करने वाले शीर्ष 20 देशों में चौथे स्थान पर है।

बायोटेक योजनाएं और नीतियां:

- जीनोम इंडिया प्रोजेक्ट
- बायोटेक-किसान कार्यक्रम
- अटल जय अनुसंधान बायोटेक मिशन - राष्ट्रीय स्तर पर प्रासंगिक प्रौद्योगिकी नवाचार का उपक्रम (UNaTI)
- DNA प्रौद्योगिकी विधेयक, 2019

स्रोत: PIB

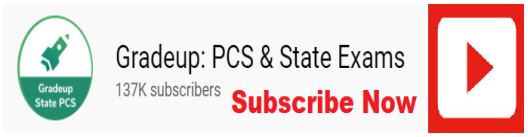

Important News: Economy

विद्युत वितरण सेक्टर पर NITI आयोग ने रिपोर्ट जारी की

चर्चा में क्यों?

- NITI **आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार** ने विद्युत वितरण सेक्टर पर एक रिपोर्ट जारी की।
- ***'टर्निंग एराऊंड दी पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर'*** **(विद्युत वितरण सेक्टर में आमूल परिवर्तन)** शीर्षक वाली रिपोर्ट **NITI आयोग, RMI और RMI इंडिया** ने मिलकर तैयार किया है।

प्रमुख बिंदु

रिपोर्ट के निष्कर्ष:

- भारत में ज्यादातर बिजली वितरण कंपनियां (DISCOMS) हर साल घाटे में रहती हैं। वित्त वर्ष 2021 में उन्हें कुल 90,000 करोड़ रुपये का घाटा होने का अनुमान है।
- इन संचित घाटे के कारण, DISCOMS समय पर बिजली उत्पादकों का भुगतान करने, उच्च गुणवत्ता वाली बिजली सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निवेश करने या परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा के अधिक उपयोग के लिए तैयार करने में असमर्थ हैं।
- यह रिपोर्ट कई महत्वपूर्ण सुधारों की जांच करती है, जैसे वितरण में निजी क्षेत्र की भूमिका, बिजली खरीद, नियामक निरीक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा का एकीकरण, और बुनियादी ढांचे का उन्नयन।
- रिपोर्ट संरचनात्मक सुधारों, नियामक सुधारों, परिचालन सुधारों, प्रबंधकीय सुधारों और नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण पर केंद्रित है।

DISCOMS (डिस्कॉम) की मदद के लिए सरकारी योजनाएं:

- उज्ज्वल डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय)
- दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना
- एकीकृत विद्युत विकास योजना

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

NITI (नेशनल इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) आयोग के बारे में तथ्य:

- **स्थापना:** 1 जनवरी 2015
- **मुख्यालय:** नई दिल्ली
- **अध्यक्ष:** नरेंद्र मोदी
- **उपाध्यक्ष:** राजीव कुमार
- **CEO:** अमिताभ कांत

रॉकी माउंटेन इंस्टीट्यूट (RMI), 1982 में स्थापित एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी संस्था, स्वच्छ, समृद्ध और सुरक्षित निम्न-कार्बन भविष्य बनाने के लिए वैश्विक ऊर्जा उपयोग को ट्रांसफॉर्म करने में कार्यरत है।

स्रोत: PIB

CBIC ने अनुपालन सूचना पोर्टल (CIP) का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

- **केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC)** ने लगभग 12,000 सीमा-शुल्क टैरिफ मदों के लिए सीमा – शुल्क की सभी प्रक्रियाओं और नियामक अनुपालन से जुड़ी जानकारी तक निःशुल्क पहुंच प्रदान करने के लिए भारतीय सीमा- शुल्क से संबंधित **अनुपालन सूचना पोर्टल (CIP)** का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

अनुपालन सूचना पोर्टल (CIP) के बारे में:

- CIP, आयात और निर्यात में संलग्न व्यापार - जगत के साथ-साथ किसी भी इच्छुक व्यक्ति को सीमा शुल्क और सहयोगी सरकारी एजेंसियों (FSSAI, PQIS, AQIS, ड्रग कंट्रोलर इत्यादि) से जुड़ी कानूनी और प्रक्रियात्मक जरूरतों के बारे में जानकारी प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाने में सहूलियत प्रदान करने वाला CBIC द्वारा विकसित एक उपकरण है।

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) के बारे में:

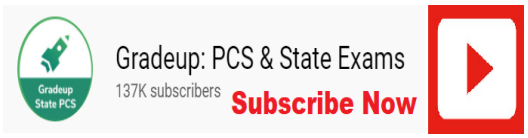

- केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (पूर्व में केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क बोर्ड) वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के राजस्व विभाग का एक हिस्सा है।
- यह सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क, CGST और IGST की वसूली और संग्रह और तस्करी की रोकथाम से संबंधित नीति तैयार करने के कार्यों से संबंधित है।

स्रोत: PIB

आठ कोर उद्योगों के संयुक्त सूचकांक में जून 2020 के सूचकांक के मुकाबले 8.9 प्रतिशत की वृद्धि

चर्चा में क्यों?

- **आठ कोर उद्योगों का संयुक्त सूचकांक जून 2021 में 126.6** पर रहा जिसमें जून 2020 की तुलना में **8.9 फीसदी की वृद्धि** दर्ज की गई।
- कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली के उत्पादन में जून 2021 में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में वृद्धि हुई।

प्रमुख बिंदु

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक (ICI) के बारे में:

- ICI चयनित आठ प्रमुख उद्योगों- **कोयला, प्राकृतिक गैस, कच्चा तेल, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, सीमेंट, इस्पात, और बिजली** में संयुक्त और व्यक्तिगत उत्पादन का आकलन करता है।
- **औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP)** में शामिल वस्तुओं के कुल भारांक (वेटेज) का **40.27 प्रतिशत हिस्सा आठ कोर उद्योगों** में ही निहित होता है।

आठ कोर उद्योगों के सूचकांक का सार:

- **कोयला:** जून, 2021 में कोयला उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 7.4 प्रतिशत बढ़ गया।
- **कच्चा तेल:** जून, 2021 के दौरान कच्चे तेल का उत्पादन जून, 2020 की तुलना में 1.8 प्रतिशत गिर गया।
- **प्राकृतिक गैस:** जून, 2021 में प्राकृतिक गैस का उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 20.6 प्रतिशत बढ़ गया।
- **रिफाइनरी उत्पाद:** पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन जून, 2021 में जून, 2020 के मुकाबले 2.4 प्रतिशत बढ़ गया।

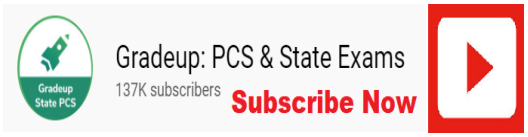

- **उर्वरक:** जून, 2021 के दौरान उर्वरक उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 2.0 प्रतिशत बढ़ गया।
- **इस्पात:** जून, 2021 में इस्पात उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 25.0 प्रतिशत बढ़ गया।
- **सीमेंट:** जून, 2021 के दौरान सीमेंट उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 4.3 प्रतिशत बढ़ गया।
- **बिजली:** जून, 2021 के दौरान बिजली उत्पादन जून, 2020 के मुकाबले 7.2 प्रतिशत बढ़ गया।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के बारे में:

- IIP भारत के लिए एक सूचकांक है जो बिजली, खनिज खनन और विनिर्माण जैसे अर्थव्यवस्था में विभिन्न क्षेत्रों के विकास का विवरण देता है।
- अखिल भारतीय IIP एक समग्र संकेतक है जो एक निश्चित अवधि के दौरान एक चुनी हुई आधार अवधि के संबंध में औद्योगिक उत्पादों की एक टोकरी के उत्पादन की मात्रा में अल्पकालिक परिवर्तनों को मापता है।
- इसे **राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय** द्वारा मासिक रूप से संकलित और प्रकाशित किया जाता है।
- वर्तमान आधार वर्ष 2011-2012 है।

IIP का महत्व:

- इसका उपयोग विभिन्न सरकारी एजेंसियों जैसे वित्त मंत्रालय, भारतीय रिजर्व बैंक, निजी फर्मों और विश्लेषकों द्वारा किया जाता है।
- डेटा का उपयोग तिमाही आधार पर **सकल घरेलू उत्पाद** में विनिर्माण क्षेत्र के सकल मूल्य वर्धित को संकलित करने के लिए भी किया जाता है।

स्रोत: PIB

डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन: 'ई-रुपी' (e-RUPI)

चर्चा में क्यों?

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी** ने **डिजिटल पेमेंट सॉल्यूशन 'ई-रुपी'** (e-RUPI) लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु

ई-रुपी के बारे में:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- ई-रुपी डिजिटल भुगतान के लिए **एक कैशलेस और संपर्क** रहित माध्यम है।
- यह एक **QR कोड या SMS स्ट्रिंग-आधारित ई-वाउचर** है, जिसे लाभार्थियों के मोबाइल पर पहुंचाया जाता है।
- इस निर्बाध एकमुश्त भुगतान व्यवस्था के उपयोगकर्ता अपने सेवा प्रदाता के केंद्र पर कार्ड, डिजिटल भुगतान एप या इंटरनेट बैंकिंग एक्सेस के बगैर ही वाउचर की राशि को प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
- यह बिना किसी फिजिकल इंटरफेस के डिजिटल तरीके से लाभार्थियों और सेवा प्रदाताओं के साथ सेवाओं के प्रायोजकों को जोड़ता है।
- इसे **नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया** ने अपने UPI प्लेटफॉर्म पर **वित्तीय सेवा विभाग**, **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय** और **राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण** के सहयोग से विकसित किया है।

उपयोग:

- कल्याण सेवाओं की लीक-प्रूफ डिलीवरी सुनिश्चित करने की दिशा में यह एक क्रांतिकारी पहल होने की उम्मीद है।
- इसका उपयोग मातृ और बाल कल्याण योजनाओं के तहत दवाएं और पोषण संबंधी सहायता, TB उन्मूलन कार्यक्रमों, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी स्कीमों के तहत दवाएं और निदान, उर्वरक सब्सिडी, इत्यादि देने की योजनाओं के तहत सेवाएं उपलब्ध कराने में किया जा सकता है।
- यहां तक कि निजी क्षेत्र भी अपने कर्मचारी कल्याण और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रमों के तहत इन डिजिटल वाउचर का उपयोग कर सकता है।

ई-रुपी का महत्व:

- सरकार पहले से ही एक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा विकसित करने पर काम कर रही है और ई-रुपी का शुभारंभ संभावित रूप से डिजिटल भुगतान अवसंरचना में अंतराल को उजागर कर सकता है जो भविष्य की डिजिटल मुद्रा की सफलता के लिए आवश्यक होगा।

आभासी मुद्रा से अलग:

- वास्तव में, ई-रुपी मौजूदा भारतीय रुपये द्वारा समर्थित है क्योंकि अंतर्निहित परिसंपत्ति और इसके उद्देश्य की विशिष्टता इसे एक आभासी मुद्रा से अलग बनाती है और इसे वाउचर-आधारित भुगतान प्रणाली के करीब रखती है।

नोट: अमेरिका, स्वीडन, हांगकांग, कोलंबिया, चिली आदि जैसे देश वाउचर सिस्टम का उपयोग कर रहे हैं।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: PIB

मंत्रिमंडल ने DICGC (संशोधन) विधेयक, 2021 को मंजूरी दी

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने **जमा बीमा और ऋण गारंटी निगम (DICGC) (संशोधन) विधेयक, 2021** को मंजूरी दे दी है।

प्रमुख बिंदु

DICGC (संशोधन) विधेयक, 2021 के बारे में:

बीमा कवर:

- बिल बैंक के स्थगन के तहत आने के **90 दिनों** के भीतर **5 लाख रुपये** तक पहुंच की अनुमति देकर खाताधारकों को उनके पैसे की सुरक्षा प्रदान करता है।
- इससे पहले, खाताधारकों को अपनी जमा राशि प्राप्त करने के लिए एक व्यथित ऋणदाता के परिसमापन या पुनर्गठन तक वर्षों तक इंतजार करना पड़ता था, जो कि डिफ़ॉल्ट के खिलाफ बीमित होते हैं।

नोट: वित्त मंत्री ने 2020 में इसकी सीमा 1 लाख से बढ़ाकर 5 लाख कर दी थी।

DICGC का गठन इसलिए किया गया था क्योंकि RBI द्वारा स्थगन लागू करने पर बैंक जमाकर्ताओं को बैंकों से अपना पैसा निकालने में समस्याओं का सामना करना पड़ता था।

कवरेज:

- DICGC बिल में नवीनतम संशोधन के तहत, सभी जमाओं का 98.3% कवर किया जाएगा और जमा मूल्य के संदर्भ में, जमा का 50.9% कवर किया जाएगा। जबकि वैश्विक जमा मूल्य सभी जमा खातों का केवल 80% है और जमा मूल्य के केवल 20-30% को कवर करता है।

जमा बीमा ऋण गारंटी निगम (DICGC) के बारे में:

- यह भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।
- यह जमा बीमा प्रदान करता है जो बैंक जमा धारकों के लिए सुरक्षा कवर के रूप में काम करता है जब बैंक अपने जमाकर्ताओं को भुगतान करने में विफल रहता है।
- यह भारत में स्थित सभी वाणिज्यिक और विदेशी बैंकों में जमाकर्ताओं के पैसे की सुरक्षा करता है; केंद्रीय, राज्य और शहरी सहकारी बैंक; क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक; और स्थानीय बैंक, बशर्ते कि बैंक ने DICGC कवर का विकल्प चुना हो।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- एजेंसी का संचालन जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम अधिनियम, 1961 और जमा बीमा और क्रेडिट गारंटी निगम सामान्य विनियम, 1961 के अनुसार किया जाता है।

स्रोत: द हिंदू

Important News: Defense

स्वदेशी विमानवाहक पोत (IAC) 'विक्रांत' के समुद्री परीक्षणों की शुरुआत

चर्चा में क्यों?

- **भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत (IAC) 'विक्रांत'**, देश में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे जटिल युद्धपोत, ने अपना समुद्री परीक्षण शुरू किया।
- INS विक्रांत को 2022 में कमीशन किया जाएगा।
- ·रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत **परियोजना 75-I** के प्रस्ताव के लिए अनुरोध के लिए रक्षा अधिग्रहण परिषद (RFP) द्वारा हाल ही में मंजूरी दी गई, जो निर्माण प्रौद्योगिकियों के स्वदेशी विकास को और बढ़ावा देगा।

प्रमुख बिंदु

- भारतीय नौसेना के **नौसेना डिजाइन निदेशालय (DND)** द्वारा डिजाइन किया गया स्वदेशी विमानवाहक पोत 'विक्रांत' पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय (MoS) के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के शिपयार्ड **कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (CSL)** में बनाया जा रहा है।
- IAC **76 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री** के साथ "आत्मनिर्भर भारत" के लिए देश के प्रयास का एक प्रमुख उदाहरण है।
- जहाज को मशीनरी संचालन, जहाज नेविगेशन और कठिन हालात में स्वयं को बनाए रखने के दृष्टिकोण से बहुत उच्च स्तर के ऑटोमेशन के साथ डिजाइन किया गया है, 'विक्रांत' की लगभग 28 समुद्री मील की शीर्ष गति और लगभग 7,500 समुद्री मील की एंड्योरेंस के साथ 18 समुद्री मील की परिभ्रमण गति है।

नोट:

- 40,000 टन के विमानवाहक पोत के सफल समापन ने भारत को विमान वाहक डिजाइन और निर्माण में सक्षम दुनिया में 4 देशों- अमेरिका, रूस, फ्रांस और ब्रिटेन के कुलीन समूह में डाल दिया है।

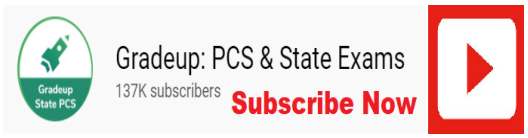

- वर्तमान में, भारत के पास केवल एक विमानवाहक पोत, रूसी मूल का INS विक्रमादित्य है।

स्रोत: PIB

36वां भारत-इंडोनेशिया समन्वित गश्ती (CORPAT)

भारत इंडोनेशिया समन्वित गश्ती का

चर्चा में क्यों?

- समन्वित गश्ती (CORPAT) का 36वां संस्करण **भारतीय नौसेना और इंडोनेशियाई नौसेना के** बीच 30 से 31 जुलाई 2021 तक आयोजित किया गया था।

प्रमुख बिंदु

नौसेना अभ्यास के बारे में:

- भारतीय नौसेना का पोत (INS) सरयू, एक स्वदेश निर्मित अपतटीय गश्ती पोत, इंडोनेशियाई नौसेना पोत KRI बंग टोमो के साथ दिनांक 30 से 31 जुलाई 2021 तक इंडो-पैसिफिक में समन्वित गश्ती (CORPAT) में भाग लिया।
- दोनों देशों के समुद्री गश्ती एयरक्राफ्ट ने भाग लिया।

पृष्ठभूमि:

- भारत और इंडोनेशिया 2002 से वर्ष में दो बार **अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL)** पर समन्वित गश्ती कर रहे हैं,

उद्देश्य:

- कॉरपेट अभ्यास नौसेनाओं के बीच समझ और अंतरसंचालनीयता का निर्माण करने में मदद करते हैं, साथ ही ग़ैरकानूनी, बग़ैर कोई लेखा जोखा रखे एवं अनियमित ढंग से संचालित मछली पकड़ने, मादक पदार्थों की तस्करी करने, समुद्री आतंकवाद, सशस्त्र डकैती और समुद्री डकैती जैसी गतिविधियों को रोकने और दबाने के लिये संस्थागत ढांचे के निर्माण की सुविधा प्रदान करते हैं।
- **नोट:** भारत सरकार के **सागर (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फ़ॉर ऑल इन द रीजन)** दृष्टिकोण के अंतर्गत भारतीय नौसेना समुद्री सुरक्षा बढ़ाने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र के अन्य देशों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ रही है।

इंडोनेशिया के साथ अन्य अभ्यास:

- गरुड़ शक्ति (सैन्य अभ्यास)
- समुद्र शक्ति (समुद्री अभ्यास)

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: PIB

'इंद्र नेवी - 21' (INDRA NAVY – 21)

चर्चा में क्यों?

- **भारत और रूस की नौसेनाओं** के बीच **12वां 'इंद्र नेवी' अभ्यास बाल्टिक सागर** में 28 और 29 जुलाई, 2021 को आयोजित किया गया। जो यह एक द्विवार्षिक द्विपक्षीय समुद्री अभ्यास है।

प्रमुख बिंदु

- रूसी नौसेना के 325वें नौसेना दिवस समारोह में भाग लेने के लिए INS तबर की सेंट पीटर्सबर्ग, रूस की यात्रा के हिस्से के रूप में इंद्र नौसेना अभ्यास किया गया था।
- भारतीय नौसेना का प्रतिनिधित्व स्टेल्थ फ्रिगेट INS तबर ने किया, जबकि रूसी संघ की नौसेना की तरफ से कॉरवेट्स RFS ज़ेलायनी दोल और RFS ऑदिनत्सोवो ने हिस्सा लिया। ये दोनों जहाज बाल्टिक बेड़े के हैं।
- इस अभ्यास में बेड़े के संचालन के विभिन्न पहलू शामिल थे जैसे कि एंटी-एयर फायरिंग, पुन: पूर्ति पहुंचाने का अभ्यास, हेलीकॉप्टर परिचालन, बोर्डिंग ड्रिल और सीमैनशिप इवोल्यूशन।

पृष्ठभूमि:

- 'इंद्र नेवी' अभ्यास की शुरूआत 2003 में की गई थी, जो दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच मौजूद दीर्घकालीन रणनीतिक सम्बंधों का परिचायक है।

नोट: भारत-रूस संयुक्त सैन्य अभ्यास INDRA-2021 का 12वां संस्करण 01 से 13 अगस्त 2021 तक रूस के वोल्गोग्राड में आयोजित किया जा रहा है।

स्रोत: PIB

Environment

पश्चिमी घाट में मेंढक की नई प्रजाति: "मिनरवेरिया पेंटाली"

चर्चा में क्यों?

- दिल्ली विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं की एक टीम ने पश्चिमी घाट में मेंढक की एक नई प्रजाति की खोज की है और इसका नाम DU के पूर्व कुलपति और पादप आनुवंशिकीविद् दीपक पेंटल के नाम पर रखा है।

प्रमुख बिंदु

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- मेंढक की नई प्रजाति **डिक्रोग्लोसिडे परिवार** से संबंधित है और इसे **"मिनरवेरिया पेंटाली"** नाम दिया गया है।

डिक्रोग्लोसिडे परिवार के बारे में:

- **डिक्रोग्लोसिडे परिवार** अफ्रीका और एशिया और पापुआ न्यू गिनी के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों द्वारा वितरित अर्द्धजलीय मेंढकों की 202 प्रजातियों में शामिल हैं।
- परिवार में बड़े आकार (जैसे, जीनस होपलोबैट्राचस) और बौनी प्रजातियां शामिल हैं, जिनकी कुल लंबाई लगभग 30 मिमी (जैसे, जीनस नैनोफ्रीज़) है।
- पश्चिमी घाट जैव विविधता हॉटस्पॉट से **नई मेंढक प्रजाति** की खोज की गई, जो भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी तट के साथ फैली हुई है, और अनुसंधान दल ने कहा है कि यह नई प्रजाति दक्षिणी पश्चिमी घाट के लिए स्थानिक है।

पश्चिमी घाट के बारे में:

- यह एक पर्वत श्रृंखला है जो कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और तमिलनाडु राज्यों को पार करते हुए भारतीय प्रायद्वीप के पश्चिमी तट के समानांतर 1,600 किमी के खंड में 160,000 किमी 2 (स्क्वायर किलोमीटर) के क्षेत्र को कवर करती है।
- यह UNESCO **की विश्व धरोहर स्थल है** और दुनिया में जैविक विविधता के आठ हॉटस्पॉट्स में से एक है।
- इसे अक्सर **'भारत का ग्रेट एस्कार्पमेंट'** कहा जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Reports

"हंगर हॉटस्पॉट्स" पर एक रिपोर्ट: FAO-WEP

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, **खाद्य और कृषि संगठन (FAO)** और **विश्व खाद्य कार्यक्रम (WEP)** ने **अगस्त और नवंबर 2021** के बीच **"हंगर हॉटस्पॉट्स"** पर एक रिपोर्ट जारी की।
- मई 2021 में जारी **2021 ग्लोबल फूड क्राइसिस रिपोर्ट** ने पहले से ही तीव्र खाद्य असुरक्षा की चेतावनी दी थी।

प्रमुख बिंदु

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

हंगर हॉटस्पॉट्स:

- **पांच देश (इथियोपिया, मेडागास्कर, दक्षिण सूडान, उत्तरी नाइजीरिया और यमन) 23 देशों** में से हैं जहां अगस्त से नवंबर, 2021 तक खाद्य असुरक्षा की स्थिति तीव्रता से और अधिक खराब जाएगी।
- मेडागास्कर और इथियोपिया विश्व के सबसे नए शीर्ष भूख के हॉटस्पॉट हैं।

खाद्य असुरक्षा उत्पन्न करने वाले कारक:

महामारी के झटके:

- वर्ष 2020 में लगभग सभी निम्न और मध्यम आय वाले देश महामारी से ग्रसित आर्थिक मंदी से प्रभावित थे।

हिंसा:

- जनसंख्या का विस्थापन, कृषि भूमि का परित्याग, जन धन और संपत्ति का नुकसान, व्यापार एवं व्यवधान तथा संघर्षों के कारण बाज़ारों तक पहुंच की हानि खाद्य असुरक्षा की स्थिति को और अधिक बढ़ा सकती है।
- अफगानिस्तान, मध्य साहेल, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, इथियोपिया आदि में हिंसक गतिविधियों के तीव्र होने की भविष्यवाणी की गई है।
- हिंसा से मानवीय सहायता तक पहुंच बाधित होने की भी संभावना है।

प्राकृतिक खतरे:

- मौसम की चरम स्थिति और जलवायु परिवर्तनशीलता की अवधि के दौरान विश्व के कई हिस्सों के प्रभावित होने की संभावना है।

खराब मानवीय पहुंच:

- मानवीय पहुंच विभिन्न तरीकों से सीमित है, जिसमें प्रशासनिक/नौकरशाही बाधाएं, आंदोलन प्रतिबंध, सुरक्षा बाधाएं और पर्यावरण से संबंधित भौतिक बाधाएं शामिल हैं।

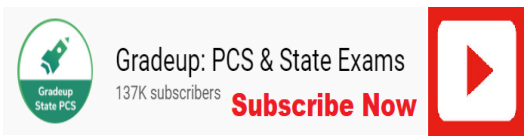

- वर्तमान में सबसे महत्त्वपूर्ण बाधाओं का सामना करने वाले देश, सहायता को उन लोगों तक पहुँचने से रोक रहे हैं, जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है, जिनमें शामिल हैं अफगानिस्तान, इथियोपिया, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, माली आदि।

सुझाव:

- ग्रामीण आजीविका की रक्षा करना और कृषि उत्पादन में वृद्धि करना।
- नई मानवीय जरूरतों को पूरा करने से पहले अल्पकालिक सुरक्षात्मक हस्तक्षेपों को लागू किया जाना चाहिए और मौजूदा मानवीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए।

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में भारत द्वारा उठाए गए कदम:

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, 2013
- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना
- वन नेशन वन राशन कार्ड:

खाद्य और कृषि संगठन (FAO) के बारे में:

- यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशिष्ट एजेंसी है जो भुखमरी को समाप्त करने और खाद्य सुरक्षा और पोषण में सुधार के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- **स्थापना:** 16 अक्टूबर 1945
- **मुख्यालय:** रोम, इटली

विश्व खाद्य कार्यक्रम (WEP) के बारे में:

- WEP संयुक्त राष्ट्र की खाद्य-सहायता शाखा है।
- **स्थापना:** 19 दिसंबर 1961
- **मुख्यालय:** रोम, इटली
- विश्व खाद्य कार्यक्रम को **2020 में नोबेल शांति पुरस्कार** से सम्मानित किया गया था।

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

स्रोत: DTE

Ranks and Indices

2021 फॉर्च्यून ग्लोबल 500

- **7 भारतीय कंपनियों** को **2021 फॉर्च्यून ग्लोबल 500 सूची** में जगह मिली है।
- **मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड** राजस्व के मामले में सूची में सर्वोच्च रैंक वाली भारतीय कंपनी है। इसे वैश्विक स्तर पर 155वें स्थान पर रखा गया है।
- **वॉलमार्ट** ने लगातार 8वें वर्ष और 1995 के बाद से 16वीं बार **शीर्ष स्थान** का दावा किया है।

रैंक	कंपनियां
1	वॉलमार्ट (अमेरिका)
2	स्टेट ग्रिड (चीन)
3	एमाज़ॉन (अमेरिका)
155	रिलायंस इंडस्ट्रीज (भारत)
205	भारतीय स्टेट बैंक (भारत)
212	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (भारत)
243	ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन (भारत)
348	राजेश एक्सपोर्ट्स (भारत)
357	टाटा मोटर्स (भारत)
394	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (भारत)

नोट:

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

- **फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनियों** ने दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद के एक तिहाई से अधिक का कुल राजस्व अर्जित किया।
- **फॉर्च्यून ग्लोबल 500,** जिसे ग्लोबल 500 के रूप में भी जाना जाता है, दुनिया भर के एक शीर्ष 500 निगमों की वार्षिक रैंकिंग है जिसे राजस्व द्वारा मापा जाता है। सूची को **फॉर्च्यून पत्रिका** द्वारा प्रतिवर्ष संकलित और प्रकाशित किया जाता है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

Awards and Honours

SII के अध्यक्ष साइरस पूनावाला को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार 2021 का प्राप्तकर्ता नामित किया गया

चर्चा में क्यों?

- **साइरस पूनावाला**, जो पुणे स्थित **सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (SII)** के संस्थापक-अध्यक्ष हैं, को 2021 के लिए प्रतिष्ठित लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार के प्राप्तकर्ता के रूप में नामित किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- साइरस पूनावाला को COVID-19 महामारी के दौरान उनके काम के लिए सम्मानित किया जाएगा, जिसमें उन्होंने कोविशील्ड वैक्सीन का निर्माण करके कई लोगों की जान बचाने में मदद की।

पुरस्कार के बारे में:

- यह पुरस्कार प्रतिवर्ष लोकमान्य तिलक की पुण्यतिथि 1 अगस्त को दिया जाता है, लेकिन COVID-19 स्थिति के कारण इस वर्ष तिथि बदल दी गई है।
- पुरस्कार समारोह 13 अगस्त को होगा और पुरस्कार में एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक स्मृति चिन्ह शामिल है।
- यह पुरस्कार 1983 में शुरू किया गया था और अब तक, कई प्रमुख हस्तियों को इससे सम्मानित किया जा चुका है।
- कुछ प्राप्तकर्ताओं में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ मनमोहन सिंह, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी और इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति शामिल हैं।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

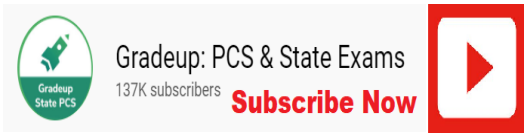

Important Days

1 अगस्त, मुस्लिम महिला अधिकार दिवस

चर्चा में क्यों?

- **केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय** ने घोषणा की कि मुस्लिम महिला अधिकार दिवस 1 अगस्त को देश भर में **तीन तलाक** के खिलाफ कानून के लागू होने के जश्न मनाने के लिए मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- केंद्र सरकार ने 1 अगस्त, 2019 को कानून बनाया, जिसने तत्काल तीन तलाक की प्रथा को एक आपराधिक अपराध बना दिया है।
- कानून, जो तत्काल तीन तालक को गैरकानूनी घोषित करता है, उल्लंघन के लिए तीन साल की जेल निर्धारित करता है और उल्लंघनकर्ता को जुर्माना देने के लिए भी उत्तरदायी बनाता है।

इतिहास:

- अगस्त 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक की प्रथा या तलाक के एक रूप को पति के आधार पर तीन बार त्वरित उत्तराधिकार में 'असंवैधानिक' घोषित किया।
- दिसंबर 2017 में, सुप्रीम कोर्ट के फैसले और भारत में तीन तलाक के मामलों का हवाला देते हुए, सरकार ने **मुस्लिम महिला (विवाह अधिकार संरक्षण) विधेयक** संसद में पेश किया।
- विधेयक लोकसभा द्वारा पारित किया गया था लेकिन राज्यसभा में विपक्ष द्वारा इसे रोक दिया गया था।
- बिल को जुलाई 2019 में संसद के दोनों सदनों द्वारा फिर से पेश किया गया और पारित किया गया। नतीजतन, बिल को राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से स्वीकृति मिली।

नोट: मिस्र 1929 में तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाने **वाला पहला देश था,** उसके बाद पाकिस्तान, सूडान (1956), मलेशिया (1969), बांग्लादेश (1972), इराक (1959), सीरिया (1953) का स्थान रहा। UAE, मोरक्को, साइप्रस, ईरान, जॉर्डन, ब्रुनेई, अल्जीरिया, कतर ने कई साल पहले इस पर प्रतिबंध लगा दिया था।

स्रोत: HT

New Appointments

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now

दीपक दास ने लेखा महानियंत्रक का कार्यभार संभाला

चर्चा में क्यों?

- दीपक दास ने **लेखा महानियंत्रक (CGA)** के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।
- श्री दास CGA का पदभार संभालने वाले 25वें अधिकारी हैं।

प्रमुख बिंदु

- दीपक दास को भारत सरकार द्वारा 1 अगस्त, 2021 से वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग में लेखा महानियंत्रक के रूप में नियुक्त किया गया है।
- वह 1986 बैच के **भारतीय सिविल लेखा सेवा** अधिकारी हैं।
- CGA का कार्यभार संभालने से पहले उन्होंने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में प्रधान मुख्य लेखा नियंत्रक के रूप में कार्य किया है।

स्रोत: PIB

Obituaries

पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डोगरी लेखिका पद्मा सचदेव का निधन

- प्रख्यात लेखिका और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित **डोगरी भाषा** की **पहली आधुनिक महिला कवयित्री पद्मा सचदेव**, का निधन हो गया।
- उन्होंने डोगरी और हिंदी में कई किताबें लिखीं और उनके कविता संग्रहों में 'मेरी कविता, मेरे गीत' ने 1971 में उन्हें **साहित्य अकादमी पुरस्कार** दिलाया।
- उन्हें 2001 में **पद्म श्री** से सम्मानित किया गया और मध्य प्रदेश सरकार ने 2007-08 में कविता के लिए **कबीर सम्मान** दिया।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

Follow us on Telegram
Gradeup PCS & Other State Exams
Gradeup: PCS & State Exams
137K subscribers
Subscribe Now